

 सत्यमेव जयते	<b>राजस्थान राजपत्र</b> <b>विशेषांक</b>	<b>RAJASTHAN GAZETTE</b> <b>Extraordinary</b>
	<b>साधिकार प्रकाशित</b>	<b>Published by Authority</b>
	चैत्र 16, शुक्रवार, श॥के 1946-अप्रैल 05, 2024 Chaitra 16, Friday, Saka 1946- April 05, 2024	

**भाग-1(ख)**

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

**वन विभाग**

विज्ञप्ति

**जयपुर, फरवरी 22, 2024**

**संख्या प. 2(3)वन/2024** :-चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वामित्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा किसी अंश की स्वामित्वधारी (Entitled) है।

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार से लेखबद्ध ही किये गये हैं।

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उस पर सरकार या व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबन्द किया जाना आवश्यक है। परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचने की आशंका है।

इसलिए अब राजस्थान फॉरेस्ट एक्ट 1953 (1953 का एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उपधारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुये सरकार इसके द्वारा फॉरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर को पूर्वोक्त वनभूमि अथवा बंजर भूमि में या उन पर सरकारी तथा व्यक्तियों के अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबन्द करने हेतु नियुक्त करती हैं। तथ ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साध्य उसी प्रणाली में किया जावेगा। जैसा कि उक्त एक्ट की धारा 6, 7, 8, 10, 11 (1), 12, 13, 14, 17, 18 तथा 19 में प्रवाहित है।

और एक्ट की धारा 29 की उपधारा (3) कि परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखों के सम्पादित होने तक उक्त वन भूमि और बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन घोषित करती है। परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आवेगी। और न उस पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के ये वृक्ष संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं। राज-पत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख में आरक्षित है और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित

किया जाना अथवा उसे किसी निर्माण अथवा पशुपालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिए खण्डित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

राज्यपाल की आज्ञा से,

मोनाली सेन,

विशिष्ट शासन सचिव, वन।

प्रथम अनुसूची (वन भूमि व बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

प्रथम अनुसूची										
क्र.सं.	नाम ब्लॉक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा			विवरण			
				दिशा	भूमि	खसरा नं०	नाम ग्राम	खसरा नं०	क्षेत्रफल बीघा में	क्षेत्रफल हे० में
1	रक्षित वनखण्ड बांगडसी A	खानपुर	झालावाड	पूर्व	निजी काश्त भूमि	91	बांगडसी	76	28 बीघा 17 बिस्वा	4.6701
					निजी काश्त भूमि	88		95	27 बीघा 12 बिस्वा	4.4677
				पश्चिम	निजी काश्त भूमि	41/111		96	17 बीघा 5 बिस्वा	2.7923
					निजी काश्त भूमि	40/108				
				उत्तर	सीमा ग्राम बगडस्या जिला कोटा					
				दक्षिण	निजी काश्त भूमि	97				
	निजी काश्त भूमि	98								
	योग रक्षित वनखण्ड बांगडसी A								73-14	7.2520
2	रक्षित वनखण्ड बांगडसी B	खानपुर	झालावाड	पूर्व	निजी काश्त भूमि निजी काश्त भूमि	54 50	बांगडसी	49/117	75 बीघा 18 बिस्वा	12.2862
				पश्चिम	सीमा ग्राम सांगाहेडा					
				उत्तर	सीमा ग्राम बगडस्या जिला कोटा					
				दक्षिण	गेण्मुण्हास्ता चारागाह	28 48				
	योग रक्षित वनखण्ड बांगडसी B								75-18	12.2862
	महायोग रक्षित वनखण्ड बांगडसी A+B								149-12	24.2163

हस्ताक्षर

अशोक कुमार खोजा,  
क्षेत्रीय वन अधिकारी,  
खानपुर।

हस्ताक्षर

वी. चेतन कुमार I.F.S.,  
उप वन संरक्षक,  
झालावाड़ ।

द्वितीय अनुसूची रक्षित वनखण्ड बांगडसी A+B  
पेड़ों की सूची

क्र.स.	वानस्पतिक नाम	हिन्दी का नाम
1	Acacia nilotica	देशी बबूल
2	Prosopis juliflora	विलायती बबूल
3	Ziziphus muaritia	झाडी बेर
4	Balanites aegyptiaca	हिगोट
5	Acacia leucophloea	रोंझ
6	Dalbergia sissoo	शीशम
7	Holoptelia integrifolia	चुरेल

हस्ताक्षर

अशोक कुमार खोजा,  
क्षेत्रीय वन अधिकारी,  
खानपुर।

हस्ताक्षर

वी. चेतन कुमार I.F.S.,  
उप वन संरक्षक,  
झालावाड़ ।

## कार्यालय उप वन संरक्षक झालावाड़

## प्रमाण पत्र

जिला :- झालावाड़  
तहसील :- खानपुर  
रेंज :- खानपुर  
रक्षित वनखण्ड :- बांगडसी  
ग्राम :- बांगडसी

1. संलग्न प्रारूप में दर्शायी वन भूमि का वर्गीकरण राजस्व रिकार्ड में महकमा जंगलात कर दिया गया है। जिसे विज्ञप्ति में विस्तृत रूप से खसरा नम्बर विवरण सहित दर्शाया गया है।
2. वर्तमान राजस्व लेखों में महकमा जंगलात दर्ज है। मौके पर विभाग द्वारा 24.2163 है० भूमि पर वृक्षारोपण कार्य करवा दिया गया है। इस क्षेत्र में वर्तमान में अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है इस क्षेत्र का राजस्व जमाबन्दी में महकमा जंगलात कर दिया है।
3. भूमि पर वृक्षों का घनत्व 0.0 से 0.2 हैं
4. सीमावृत्ती क्षेत्र की स्थिति निजी काशत भूमि/गे.मु.रास्ता एवं चारागाह भूमि की सीमा है। तथा सीमा का उल्लेख एवं खसरा नं० व रकबा विज्ञप्ति में दर्ज कर दिया गया है।
5. वनखण्ड का मानचित्र नक्शा संलग्न है। जिसमें खसरा नं० व रकबा दर्ज है।
6. प्रस्तावित वनों के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कारण रहे हैं। किन्तु अब उल्लेखित वनक्षेत्रों को कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है। जिससे जिले की भूमि पर विभाग का साक्ष्य सिद्ध हो सके।
7. राजस्व अभिलेखों में अमल दरामद वन विभाग के नाम हो रहा है।
8. उपरोक्त वनखण्ड परवन मध्यम सिंचाई परियोजना में आयी वन भूमि के बदले आयी राजस्व भूमि जिसका अमलदरामद वन विभाग के नाम हो चुका है।
9. वनखण्ड के मध्य स्थित निजी काशत भूमि खसरा नं० 77 है जिस पर वन विभाग का कब्जा एवं अधिकार नहीं है।
10. आज दिनांक 26.08.2023 तक इस भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है एवं न ही प्रकाशन हेतु प्रस्ताव प्रेषित किये गये हैं।

हस्ताक्षर

अशोक कुमार खोजा,  
क्षेत्रीय वन अधिकारी,  
खानपुर।

हस्ताक्षर

वी. चेतन कुमार I.F.S.,  
उप वन संरक्षक,  
झालावाड़।

---

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।